भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
बायोटेक्नोलॉजी विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2268
उत्तर देने की तारीख : 23 सितम्बर, 2020

राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन

2268. श्री रवि किशन:
श्री नायब सिंह सैनी:
श्री गजेन्द्र उमराव सिंह पटेल:
श्री जॉन बर्ला:

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन (एनबीएम) के अंतर्गत निर्धारित किए गए उद्देश्यों और लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन (एनबीएम) के अंतर्गत उद्यमिता और स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार देश में समावेशन हासिल करने के लिए नवाचार को किस प्रकार बढ़ावा दे रही है; और

(घ) क्या राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के अंतर्गत हरियाणा में कोई परियोजना/कार्यकलाप भी किए जा रहे हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन मंत्रिमंडल द्वारा 2017 में वहनीय उत्पाद विकास के माध्यम से देश के स्वास्थ्य मानकों में परिवर्तन और 5-7 बायोफार्मासूटिकल उत्पादों को बाजार में लाने के उद्देश्य से अनुमोदित किया गया था।

इस मिशन के उद्देश्य और लक्ष्य इस प्रकार हैं: क) वैक्सीन, बायोसिमिलर्स और चिकित्सा उपकरणों के तहत विशिष्ट उत्पाद विकास ख) उत्पाद परीक्षण, विवरण और उत्पादन के लिए साझा अवसंरचना का निर्माण ग) ट्रांसलेशनल अनुसंधान संकाय की स्थापना और नए बायोफार्मासूटिकल और उपकरणों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान का बढावा देना घ) प्रशिक्षणों के माध्यम से कौशल विकास ड.) प्रौद्योगिकी अंतरण और बौद्धिक संपदा प्रबंधन का सृजन और इसमें वृद्धि करना।

(ख) यह मिशन वैक्सीन, जैवउपचार, उपकरणों और नैदानिकी के लिए बायोफार्मासूटिकल उत्पाद विकास, उद्योग शैक्षणिक समुदाय परम्पर संबंध में वृद्धि और ज्ञान को उत्पादों/प्रौद्योगिकियों में परिवर्तित करने के लिए अवसर उपलब्ध कराने के लिए लघु और मध्यम उद्यमों को सहायता प्रदान कर रहा है। स्वदेशी विनिर्माण को प्रक्रिया के अनुकूलन, जीवविज्ञान के क्लिनिकल ग्रेड विनिर्माण, विश्लेषणात्मक परीक्षण प्रयोगशालाओं, सेल लाइन भंडारों, प्रोटोटाइप सुविधाओं, बृहत पशु परीक्षण सुविधाओं और बड़े पैमाने पर उपकरणों और नैदानिकी के लिए मेडटेक जोन के माध्यम से समर्थित साझा सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाता है। ये उच्च पूंजी वाली सुविधाएं उपकरणों और अवसंरचना तक सुगम पहुंच उपलब्ध कराती हैं जिससे स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा मिलता है। प्रौद्योगिकी अंतरण की सहायता और उद्यमिता के समर्थन के लिए प्रौद्योगिकी अंतरण कार्यालयों की स्थापना की गई है।

(ग) स्वदेशी उत्पाद विकास के लिए उद्योग और शिक्षण समुदाय को वित्तीय और परामर्शी सहायता प्रदान की गई है। इसमें व्यवस्थित कोशिका लाइन, मीडिया, रेजिन और जैव रिक्टर जो वर्तमान में लाइसेंस प्राप्त हैं, जिनमें अधिक पूंजी अपेक्षित है जैसे प्रतिप्रवाह और अनुप्रवाह जैविक उत्पादन के घटकों के विकास से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं। नवाचार का बढ़ावा देने के लिए, यह मिशन नए जीव विज्ञान, नई वैक्सीनों और एमआरआई, वेंटिलेटर, नैदानिक जांच और चिकित्सा ग्रेड कैमरा जैसे चिकित्सा उपकरणों के विकास में सहायता प्रदान कर रहा है।

(घ) हरियाणा में पांच परियोजनाओं का समर्थन किया जा रहा है, फरीदाबाद जिले में 3 परियोजनाएं (चिकित्सा उपकरण और ट्रांसलेशनल अनुसंधान संकाय के लिए) और गुड़गांव जिले में 2 परियोजनाएं (चिकित्सा उपकरण और क्लिनिकल परीक्षण नेटवर्क के लिए)।

****